

Padma Bhushan



SMT. SUMAN KALYANPUR

Smt. Suman Kalyanpur is a renowned Indian playback singer most well known for her success as one of the top three female playback singers of the golden era in Indian music. Her mellifluous voice took the industry by storm for almost four decades, delivering innumerable hit songs in Hindi, Marathi and 11 other languages. Even today at the age of 86, her voice is fresh, young and treat to listen to.

2. Born on 28th January, 1937, Smt. Kalyanpur began her musical career in the year 1952, with a broadcast in the Bombay station of the All India Radio. She received invaluable guidance about the basics of music from musicologist and music director Shri Keshavrao Bhole of Prabhat fame. She was also trained in classical, semi-classical and light music by gurus like Ustad Abdul Rehman Khan, Tawde Bua, Navrang Nagpurkar and Yashwant Deo. She has sung with all the leading singers of the time like Talat Mahmood, Manna Dey, Mohd. Rafi, Mukesh, Kishore Kumar, Parveen Sultana, Lata Mangeshkar and Asha Bhosle to name a few and under the baton of all the popular music directors in Bollywood of that period (1952-1986) like S D Burman, Roshan, Shankar-Jaikishan, Naushad, Khayyam, Kalyanji Anandji, Laxmikant Pyarelal, Usha Khanna, Rajesh Roshan, Robin Banerjee, Dattaram and many more. She, according to many hard core critics and sensitive connoisseurs is unique in her rendition of film songs, bhajans, light classical music and non film songs too. Urdu ghazals of Smt. Kalyanpur have individuality peculiar to her with a style that is unique. One of her biggest hits, 'Aaj kal tere mere pyaar ke charche...' has become a cult song, famous till date with many renditions and remixes made of the same.

3. Smt. Kalyanpur has many 'Firsts' to her credit. She was the First Indian Female Playback Singer to sing live abroad and introduce an Indian cultural show of song and dance in USA, UK (Wembley Stadium), South America, West Indies and Canada. She was the first to appear on the BBC Channel, London. She has sung in 25 cultural charity programs for the Government of Maharashtra in aid of their noble cause of small saving scheme. She also showed her solidarity by engaging in free performances in five shows in aid of War Widows organized by the Government of India.

4. Smt. Kalyanpur has the rare distinction of having won many highly coveted awards since a young age. In the Best Female Playback Singer category: The Phalke Award of Rasrang Nashik, The Miyan Tansen Award, The Gujarat State Film Award 1970-73 consecutively, The Punjab Film and Drama Award, The Bhojpuri Film Award, A Gold Medal for Cultural Services to Maharashtra State, The Maharashtra State Cultural Award, The Lata Mangeshkar Award in Maharashtra as well as Madhya Pradesh and many more.



श्रीमती सुमन कल्याणपूर

श्रीमती सुमन कल्याणपूर प्रख्यात भारतीय पार्श्वगायिका हैं, जिन्हें भारतीय भारतीय संगीत के स्वर्णिम काल की शीर्ष तीन सफल पार्श्वगायिकाओं में शामिल किया जाता है। उनकी मधुर आवाज लगभग चार दशक तक संगीत उद्योग में छापी रही। उन्होंने हिंदी, मराठी और 11 अन्य भाषाओं में अनगिनत लोकप्रिय गाने गाए। आज भी 86 वर्ष की आयु में, उनकी आवाज एकदम तरो-ताजा, नई और कर्णप्रिय है।

2. 28 जनवरी, 1937 को जन्मी, श्रीमती कल्याणपूर ने वर्ष 1952 में बॉम्बे आकाशवाणी केंद्र में प्रसारण के साथ संगीत की दुनिया में कदम रखा। उन्हें प्रभात नाम से प्रसिद्ध संगीतज्ञ और संगीत निदेशक श्री केशवराव भोले से संगीत की बारीकियों के बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला। उन्होंने उस्ताद अब्दुल रहमान खान, तावड़े बुआ, नवरंग नागपुरकर और यशवंत देव जैसे गुरुओं से शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और सुगम संगीत में भी संगीत शिक्षा प्राप्त की। श्रीमती सुमन कल्याणपूर ने तलत महमूद, मन्ना डे, मोहम्मद रफी, मुकेश, किशोर कुमार, परवीन सुल्ताना, लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसे उस समय के सभी शीर्ष गायक-गायिकाओं के साथ गाने गाए हैं तथा हिन्दी फिल्म जगत के (वर्ष 1952–1986) के लोकप्रिय संगीत निर्देशकों, जैसे, एस. डी. बर्मन, रोशन, शंकर जयकिशन, नौशाद, खय्याम, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, उषा खन्ना, राजेश रोशन, रॉबिन बनर्जी, दत्ताराम आदि के संगीत के निर्देशन में गाने गाए। कई गंभीर समीक्षकों और पारखियों के अनुसार, फिल्मी गीतों, भजनों, सुगम शास्त्रीय संगीत और गैर फिल्मी गानों में भी उनका गायन उत्कृष्ट है। श्रीमती कल्याणपूर की उर्दू गज़लों में उनकी एक विशिष्ट और बेजोड़ छाप है। उनका एक सबसे लोकप्रिय गाना 'आज कल तेरे मेरे प्यार के चर्चे' लोकप्रियता के सीमाएं तोड़ चुका है, यह गाना अपने कई रूपों में आज भी लोकप्रिय है और इसके कई रिमिक्स बनाए जा चुके हैं।

3. श्रीमती कल्याणपूर के नाम पर कई 'पहले' होने का श्रेय दर्ज है। वह पहली भारतीय महिला पार्श्वगायिका थीं, जिन्होंने विदेश में लाइव गाना गाया और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), यूके (वेंबले स्टेडियम), दक्षिण अमेरिका, वेस्ट इंडीज और कनाडा में गीत और नृत्य का भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। बीबीसी चैनल, लंदन पर आने वाली वह पहली महिला थीं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की छोटी बचत योजना के लोक हितार्थ 25 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत गाए हैं। इन्होंने भारत सरकार द्वारा आयोजित युद्ध विधवाओं के सहायतार्थ पांच कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां देकर अपनी एकजुटता दर्शाई।

4. श्रीमती कल्याणपूर को छोटी आयु से ही अति प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने का अनूठा गौरव प्राप्त है। सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका श्रेणी में, उन्हें रासरंग नासिक का फाल्के पुरस्कार, मियां तानसेन पुरस्कार, गुजरात राज्य का फिल्म पुरस्कार 1970–73 से लगातार प्रदान किया गया। इसके साथ-साथ उन्हें पंजाब फिल्म और नाटक पुरस्कार, भोजपुरी फिल्म पुरस्कार, महाराष्ट्र राज्य के प्रति सांस्कृतिक सेवाओं के लिए स्वर्ण पदक, महाराष्ट्र राज्य सांस्कृतिक पुरस्कार, महाराष्ट्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश में लता मंगेशकर पुरस्कार आदि अनेक पुरस्कार मिले हैं।